हार्दिक से अलगाव के बीच ही बेटे अगसत्य के साथ एयरपोर्ट पर नजर आयी नताशा

मुम्बई।
क्रिकेटर हार्दिक पांड्या के साथ अलगाव की खबरों के बीच ही उनकी पत्नी बेटे अगसत् का हाथ थामे एयरपोर्ट पर नजर आयीं हैं। हार्दिक और नताशा के बीच पिछले काफी समय से सब कुछ ठीक नहीं चल रहा था पर अब ये मतभेद खुलकर सामने आ गये हैं।

ये भी कहा जा रहा है कि दोनों के बीच तलाक हो गया है। हार्दिक के भाई क्रुणाल पांड्या के एक पोस्ट के बाद दोनों के तलाक की खबरों ने तूल पकड़ लिया है। इससे प्रशंसक भी निराश हैं। वहीं हार्दिक ने अब तक इस मामले में कुछ नहीं कहा है। नताशा का बेटे अगसत्य के साथ मुंबई एयरपोर्ट का वीडियो तेजी से वायरल जमकर वायरल हो रहा है।

इसमें नताशा अपने बेटे और केयर टेकर के साथ नजर आ रही हैं। वीडियो में नजर आ रहा है कि नताशा गाड़ी से उतरती हैं और फिर गाड़ी से दो लगेज निकालकर बेटे अगसत्य के साथ जा रही हैं। इस वीडियो को देखने के बाद प्रशंसक ये जानना चाह रहे हैं कि आखिर नताशा जा कहां रही हैं. उनका लगेज देखकर कुछ प्रशंसक मान रहे हैं कि वह भारत छोड़कर शायद हमेशा के लिए जा रही हैं। वहीं कुछ का कहना है कि रिश्ता खराब होने के बाद वह वापस जा रही होंगी। वहीं कुछ का मानना है कि बेटे के साथ कहीं घूमने जा रही हैं। कुछ का मानना है कि वह अपने अभिभावकों के पास सर्बिया जा रही होंगी। नताशा के हार्दिक के साथ रिश्ते जब से खराब हुए हैं। तभी से वह बेटे के साथ ही ज्यादा से ज्यादा समय बिता रही हैं। नताशा ने सोशल मीडिया पोस्ट में सूटकेस की तस्वीर पोस्ट की है। इसमें साथ ही लिख है। 'यह साल का वह समय है' साथ ही विमान और घर की इमोजी भी शेयर की थी। इसके साथ ही उन्होंने आंसू से भरी एक इमोजी भी साझा की है। कुछ दिनों पहले नताशा ने एक पोस्ट किया था जिसमें वह कहती हैं, 'मेरी तरफ से आपको एक रिमाइंडर दोबारा. भगवान कभी आपकी लाइफ से परेशानियां दूर नहीं करते, वह बस आपके लिए रास्ता बना देते हैं। तभी तय हो गया था कि उनका रिश्ता टूट गया है।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय टीम में विराट और रोहित की जगह कोई नहीं ले सकता- कपिल देव

नई दिल्ली। पूर्व विश्व कप विजेता कप्तान कपिल देव ने कहा है कि अनुभवी जोड़ी विराट कोहली और रोहित शर्मा सभी प्रारूपों में भारतीय टीम में अपूरणीय हैं और कपिल ने उन्हें सचिन तेंदुलकर और एमएस धोनी के समान कहा है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्व कप फाइनल में भारत की रोमांचक जीत में 76 रनों की मैच जिताऊ पारी खेलने के बाद कोहली ने टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। बाद में, प्रेस कॉन्फ्रेंस में, रोहित ने भी अपने टी20 करियर को अलविदा कह दिया। कपिल देव, जो पीजीटीआई के अध्यक्ष भी हैं, ने ट्रिनिटी गोल्फ चैम्पियनशिप लीग के दूसरे संस्करण के कर्टेन रेज़र इवेंट के मौके पर कहा, किसी भी प्रारूप में भारतीय टीम में विराट और रोहित की जगह कोई नहीं ले सकता। वे भारतीय क्रिकेट के बहुत बड़े सेवक रहे हैं और यह उनके लिए एक सुखद विदाई थी। विराट ने सभी प्रारूपों में अपना जो कद बनाया है, निश्चित रूप से टी-20 में उनकी कमी खलेगी। दोनों सचिन तेंदुलकर और एमएस धोनी के समान हैं। वे अपूरणीय हैं। कोहली की टी20 यात्रा जून 2010 में शुरू हुई। 14 वर्षों में, उन्होंने 125 टी20 मैचों में 4188 रन बनाए, जिसमें एक शतक और 38 अर्धशतक शामिल थे। खेल के प्रति उनके अथक समर्पण और जुनून ने उन्हें टी20 में दूसरा सबसे ज्यादा रन बनाने वाला खिलाड़ी बना दिया, केवल रोहित, जिनकी सेवानिवृत्ति एक शानदार टी20 करियर के अंत का प्रतीक है, जिसके दौरान वह 159 मैचों में 4231 रन बनाकर प्रारूप के सर्वोच्च स्कोरर बन गए। रोहित के नाम टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक शतकों का रिकॉर्ड भी है, जिसमें उनके नाम पांच शतक हैं। उनकी टी 20 यात्रा 2007 में उद्घाटन टी20 विश्व कप के साथ शुरू हुई, जहां वह भारत की पहली खिताबी जीत में प्रमुख खिलाड़ी थे और, कप्तान के रूप में, उन्होंने अपनी विरासत को और मजबूत करते हुए भारत को दूसरा खिताब दिलाया।

पेरिस ओलंपिक से पहले सुमित नागल ने दिखाया दम, नॉर्डिया ओपन में जीत के साथ शुरुआत की

नई दिल्ली। भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने नॉर्डिया ओपन टेनिस के मुकाबले में इलियास यमेर को हरा दिया। उन्होंने स्वीडन के इस खिलाड़ी को सीधे सेटों में हराकर टूर्नामेंट में जीत के साथ शुरुआत की। नागल ने इससे पहले यमेर के खिलाफ जो दो मैच खेले थे उसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय खिलाड़ी ने अपनी शानदार फार्म जारी रखते हुए वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले स्थानीय खिलाड़ी को 6-4 6-3 से पराजित किया। नागल पिछले साल स्प्लिट ओपन (क्रोएशिया) और 2019 में लियोन (फ्रांस) में यमेर से हार गए थे। एटीपी रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 68वें स्थान पर पहुंचने वाले नागल का अगला मुकाबला अर्जेंटीना के विश्व में 36वें नंबर के खिलाड़ी मारियानो नवोन से होगा। नागल पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस बीच रोहन बोपन्ना और एन श्रीराम बालाजी एटीपी टूर प्रतियोगिता में पहली बार जोड़ी बनाकर खेलने के लिए तैयार हैं। यह दोनों खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक के पुरुष युगल में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

पेरिस ओलंपिक में पदक का रंग बदलने उतरेंगे : ललित

बेंगलुरू। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के खिलाड़ी ललित उपाध्याय को उम्मीद है कि इस बार उनकी टीम अपने पदक का रंग बदलने में सफल रहेगी। भारतीय टीम ने पिछले ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। इस बार हालांकि भारतीय टीम को कठिन ग्रुप मिला है। इसमें उसके पूल चरण में ही ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, अर्जेंटीना जैसे दिग्गजों से मुकाबला करना है। ललित ने कहा ,''ओलंपिक में पूल पर ध्यान देना सही नहीं है क्योंकि सभी टीमें पूरी तैयारी के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने आती हैं। ऐसे में हम मैच के हिसाब से रणनीति बनायेंगे और हर मैच में सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करेंगे। भारतीय टीम पेरिस ओलंपिक से पहले मानसिक मजबूती के लिए स्विटजरलैंड के माइक हार्न्स बेस में तीन दिवसीय शिविर के बाद नीदरलैंड में अभ्यास मैच भी खेलेगी। भारतीय टीम को ओलंपिक में पूल बी के पहले मैच में 27 जुलाई को न्यूजीलैंड से जबकि 29 जुलाई को अर्जेंटीना, 30 जुलाई को आयरलैंड और एक अगस्त को बेल्जियम और दो अगस्त को पूर्व चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला करना है। इस खिलाड़ी ने कहा कि सभी उत्साहित है और टीम को पदक जीतने का पूरा भरोसा है।

एथलेटिक्स में सबसे बड़ा दल भेजेगा भारत ; इतने एथलीट लेंगे हिस्सा, नीरज सहित ये होंगे दावेदार

नई दिल्ली।
टोक्यो ओलंपिक में अब कुछ ही दिन शेष हैं और नीरज चोपड़ा की अगुआई में भारतीय एथलेटिक्स दल इन खेलों में अपना दम दिखाने के लिए तैयार है। भारत के इस बार कुल 29 एथलीट ओलंपिक में जाएंगे जो भारत का इन खेलों के इतिहास में एथलेटिक्स का सबसे बड़ा दल है। टोक्यो ओलंपिक में भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता था और एक बार फिर उनसे इस प्रदर्शन को दोहराने की आस रहेगी।

टोक्यो में 25 एथलीट हुए थे शामिल

टोक्यो ओलंपिक में नीरज चोपड़ा की स्वर्णिम सफलता का नतीजा सामने है। पेरिस ओलंपिक के भारतीय दल में इस बार बड़ी संख्या एथलेटिक्स से है। 29 एथलीट पेरिस में शिरकत करने जा रहे ओलंपिक के इतिहास में एथलेटिक्स का सबसे बड़ा दल है। टोक्यो में 25 एथलीटों ने शिरकत की थी। नीरज पर स्वर्णिम सफलता दोहराने का दबाव होगा। विश्व एथलेटिक्स ने वर्ष 2024 के 10 श्रेष्ठ भाला फेंक एथलीटों की सूची जारी कर पूछा कि क्या नीरज इस बार ओलंपिक में स्वर्ण जीतेंगे नीरज इस वर्ष 88.36 मीटर की थ्रो के साथ चौथे स्थान पर हैं।

पुरुष रिले टीम से आस

नीरज के अलावा पुरुषों की चार गुणा चार सौ मीटर रिले टीम से अच्छे प्रदर्शन की आस है। विश्व चैंपियनशिप में रिले टीम पांचवे स्थान पर रही और एशियाई कीर्तिमान भी बनाया। विश्व चैंपियनशिप में दौड़ने वाले राजेश रमेश की टीम में वापसी हुई है। अगर टीम ओलंपिक के फाइनल में पहुंची तो भी बड़ी उपलब्धि होगी।

साबले-पारुल पर 3000 मीटर में होंगी निगाहें

एशियाड चैंपियन अविनाश साबले ने तीन हजार मीटर स्टीपलचेज में 8.09.91 मिनट के साथ नया राष्ट्रीय कीर्तिमान बनाया। उनकी विश्व रैंकिंग 13 है। साबले के लिए फाइनल में पहुंचना बड़ी उपलब्धि होगी। यूपी की पारुल चौधरी 3000 मीटर स्टीपलचेज और 5000 मीटर में भाग ले रही हैं। उनके स्टीपलचेज फाइनल में पहुंचने की उम्मीद है।

महिलाओं से बेहतर प्रदर्शन की रहेगी उम्मीद

एथलेटिक्स में इस बार महिलाओं से भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। टोक्यो ओलंपिक में डिस्कस थ्रो में कमलप्रीत कौर फाइनल में पहुंची थी, लेकिन पदक से चूक गई थीं। इस बार भाला फेंक एथलीट अन्नू रानी, पैदलचाल एथलीट पारुल और प्रियंका और चार गुणा 400 मीटर रिले की एथलीट प्राची से ओलंपिक में अच्छे प्रदर्शन की आस है।

पेरिस में भाग लेने वाला एथलेटिक्स दल इस प्रकार है...

पुरुष : अविनाश साबले (3000 मीटर स्टीपलचेज), नीरज चोपड़ा, किशोर जेना (भाला फेंक), तेजिंदर पाल तूर (शॉटपुट), प्रवीण चित्रावेल, अबुबाकर (ट्रिपल जंप), सर्वेश कुशारे (ऊंची कूद), अक्शदीप, विकास सिंह, परमजीत सिंह (20 किलोमीटर पैदल चाल), मोहम्मद अनस, मोहम्मद अजमल, अमोज जैकब, संतोष, राजेश रमेश, मिजो चाको (4 गुणा 400 मीटर रिले), सूरज पंवार (मिश्रित पैदलचाल मैराथन), जेस्विन एल्ड्रिन (लंबी कूद)।

महिला : किरन पाहल (400 मीटर), पारुल (3000 मीटर स्टीपलचेज, 5000 मीटर), ज्योति (100 मीटर बाधा दौड़), अनु रानी (भाला फेंक), ज्योतिका, शुभा, विद्या रामराज, पूवम्मा, प्राची (चार गुणा 400 मीटर रिले), प्रियंका गोस्वामी (पैदलचाल), अंकिता ध्यानी (5000 मीटर)।

श्रीलंका दौरे के लिए जल्द होगी भारतीय टीम की घोषणा, सूर्या हो सकते हैं टी20 कप्तान

नई दिल्ली।
गौतम गंभीर का कार्यकाल टीम इंडिया के श्रीलंका दौरे के साथ शुरू हो जाएगा। कोच की कमान संभालते ही गंभीर एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। जानकारी के अनुसार, श्रीलंका दौरे के लिए टीम की घोषणा हो सकती है। सपोर्टिंग स्टाफ सहित टीम के कप्तान को लेकर गंभीर ने बीसीसीआई को कई सुझाव दिए हैं। टी20 विश्व कप 2024 चैंपियन बनने के बाद टीम इंडिया में बदलाव का दौर शुरू हो चुका है। शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया ने जिम्बाब्वे को 5 मैचों की टी20 सीरीज में 4-1 से हराया। अब टीम का अगला मिशन श्रीलंका दौरा है, जहां तीन टी20 और इतने ही वनडे मैचों की सीरीज खेली जानी है। इस सीरीज के साथ बतौर मुख्य कोच गौतम गंभीर का कार्यकाल टीम इंडिया के साथ शुरू होगा। जानकारी के अनुसार, इस दौरे के लिए टी20 टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव को सौंपी जा सकती है। टी20 विश्व कप जीतने के बाद रोहित शर्मा ने इस प्रारूप से संन्यास का ऐलान कर दिया था। जिसके बाद भारतीय टीम को नए कप्तान की तलाश है। हालांकि नए कप्तान की दावेदारी की रेस में हार्दिक ही सबसे आगे चल रहे हैं। सूर्यकुमार को नई जिम्मेदारी दिए जाने के पीछे हार्दिक की इंजरी की समस्या बड़ी वजह मानी जा रही है। हालांकि, सूर्यकुमार पहले भी भारतीय टीम की कप्तानी कर चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज और दक्षिण अफ्रीका दौरे पर टी20 सीरीज में भी सूर्यकुमार के हाथ में ही भारतीय टीम का नेतृत्व था।

चोट के कारण मेसी अनिश्चित काल के लिए मैदान से बाहर

नई दिल्ली।

अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी कोपा अमेरिका के फाइनल में चोटिल होकर बाहर चले गए थे। लेकिन अर्जेंटीना ने उनके बिना भी एक रोमांचक मुकाबले में जीत दर्ज की। खास बात ये है कि मेसी सही से चल भी नहीं पा रहे थे लेकिन इसके बावजूद वो बेंच से उठकर गए और टीम के साथ जीत का जश्न मनाया।

हालांकि, मेसी की चोट को लेकर उनके फैंस काफी परेशान हैं। उनके दाहिने टखने में बहुत अधिक सूजन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय है।

इस बीच मेजर लीग सॉकर क्लब इंटर मियामी ने पुष्टि की है कि उनके कप्तान को दाहिने टखने के लिगामेंट में चोट लगी है। उनकी वापसी की कोई तय तारीख नहीं होगी। लेकिन आने वाले कुछ हफ्तों में इस पर चीजें साफ होंगी।

इंटर मियामी के बयान में कहा गया, मेडिकल जांच के बाद, यह निर्धारित किया गया है कि लियोनेल मेसी को दाहिने टखने के लिगामेंट में चोट लगी है। कप्तान की उपलब्धता समय-समय पर किए जाने वाले आकलन और उनकी रिकवरी की प्रगति के आधार पर निर्धारित की जाएगी।

मियामी के कोच मार्टिनो ने पत्रकारों से कहा, मेसी की काफी चोट लगी है, उनका टखना मुड़ गया था। इसलिए जांच की आवश्यकता है और रिपोर्ट की प्रतीक्षा करनी होगी। स्थिति की गंभीरता का पता लगाने के लिए परीक्षण किए जाएंगे। हमें काइनेसियोलॉजिस्ट वाल्टर इंसाउराल्ड के माध्यम से सूचित किया जाता है, जो राष्ट्रीय टीम के भी काइनेसियोलॉजिस्ट हैं।

मेस्सी अमेरिका में अपने कार्यकाल के दौरान शानदार फॉर्म में रहे हैं। आठ बार बैलन डीओर विजेता ने 12 एमएलएस मैचों में 12 गोल किए हैं और 13 गोल में मदद की है।

बता दें, अर्जेंटीना ने फ्लोरिडा के हार्ड रॉक स्टेडियम में मार्टिनेज के अतिरिक्त समय के गोल की बदौलत कोलंबिया को 1-0 से हराकर अपना रिकॉर्ड 16वां कोपा अमेरिका खिताब हासिल किया।

पेरिस में पदक का रंग बदलने के लिए तैयार हैं हॉकी खिलाड़ी ललित, ग्रुप को लेकर कही ये बात

नई दिल्ली।
भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने टोक्यो 2020 में लंबा इंतजार खत्म करते हुए कांस्य पदक जीता था। टीम हालांकि 1980 मॉस्को ओलंपिक के बाद से स्वर्ण पदक नहीं जीत सकी है और टीम के अनुभवी फॉरवर्ड खिलाड़ी ललित उपाध्याय को यकीन है कि भारत इस बार पदक का रंग बदलने में सफल रहेगा। ललित 41 साल बाद पदक जीतने वाली पुरुष हॉकी टीम के सदस्य रहे थे।

भारतीय टीम पेरिस ओलंपिक से पहले मानसिक दृढता के लिए स्विटजरलैंड के माइक होर्न्स बेस में तीन दिवसीय शिविर के बाद अब नीदरलैंड में अभ्यास मैच खेलेगी। भारत के लिए 168 मैचों में 45 गोल कर चुके ललित ने कहा, हमें पता है कि उम्मीदें बढ़ी हुई हैं क्योंकि लंबे समय बाद हमने ओलंपिक पदक जीता था। हमें भी खुद से पूरी उम्मीद है कि पदक का रंग बदलेंगे। हमने पिछले चार साल में फिटनेस पर भी काफी मेहनत की है जो मैदान पर नजर आ रही है। फिटनेस में हम दुनिया की शीर्ष टीमों के समकक्ष हैं। युवा खिलाड़ियों के साथ सीनियर्स की फिटनेस का स्तर भी जबरदस्त है।

भारत को मिला है कठिन ग्रुप - भारतीय हॉकी टीम को पेरिस ओलंपिक में पूल चरण में ही आस्ट्रेलिया, बेल्जियम, अर्जेंटीना जैसे दिग्गजों का सामना करना है। भारत को पेरिस ओलंपिक में पूल बी के पहले मैच में 27 जुलाई को न्यूजीलैंड से, 29 जुलाई को रियो ओलंपिक 2016 चैंपियन अर्जेंटीना, 30 जुलाई को आयरलैंड, एक अगस्त को टोक्यो ओलंपिक चैंपियन बेल्जियम और दो अगस्त को पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया से खेलना है।

कठिन पूल मिलने से परेशान नहीं हैं ललित - ललित ने कहा, ओलंपिक में पूल पर ध्यान देना बेमानी है क्योंकि सभी टीमें पूरी तैयारी के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने आती हैं। हम मैच दर मैच रणनीति बनाएंगे और हर मैच में सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करेंगे। टोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने वाली भारतीय टीम के 11 खिलाड़ी पेरिस में भी खेलेंगे जबकि पांच खिलाड़ियों का पहला ओलंपिक है। ललित ने हालांकि कहा कि युवा खिलाड़ी भी इतना खेल चुके हैं कि ओलंपिक का दबाव आसानी से झेल लेंगे। उन्होंने कहा, ये लड़के एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीत चुके हैं जहां ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने का काफी दबाव होता है लिहाजा ओलंपिक का दबाव भी झेलने में सक्षम हैं।

टोक्यो में मिली निराशा, मानसिक द्वंद से पार पाकर किया प्रवेश, ऐसा रहा अंजुम मोदगिल का सफर

नई दिल्ली।
टोक्यो ओलंपिक में भारतीय निशानेबाजों का सफर अच्छा नहीं रहा था और उसे अंजुम मोदगिल भी शामिल थीं। अंजुम पिछले साल एशियाई खेल और विश्व चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं बना सकी थीं। इससे वह काफी निराश हो गई थीं, लेकिन उन्होंने मानसिक द्वंद से पार पाकर पेरिस खेलों में प्रवेश किया। मोदगिल ने स्वीकार किया कि विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में नहीं चुने जाने के बाद उनकी आंखें खुल गई।

इसके बाद उन्होंने अपनी मानसिक दृढ़ता और अभ्यास पर ध्यान दिया। टोक्यो ओलंपिक में किया था निराश मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों के महत्व को समझते हुए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) ने एक हेल्पलाइन शुरू की है जो ओलंपिक के दौरान सभी खिलाड़ियों को मानसिक स्वास्थ्य को लेकर परामर्श देगी। विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी मोदगिल ने विश्व चैंपियनशिप और राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीते हैं लेकिन टोक्यो ओलंपिक में वह अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाई थीं। वह 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में 15वें और 10 मीटर एयर राइफल में 18वें स्थान पर रही थीं। पेरिस ओलंपिक में वह केवल 50 मीटर 3 पोजीशन में भाग लेंगी।

टोक्यो का अनुभव काम आएगा

अंजुम ने कहा, टोक्यो के बाद तीन साल मेरे लिए उतार-चढ़ाव वाले रहे। मैंने मुश्किल दौर देखा और मैं मजबूत वापसी करना चाहती थी। टोक्यो का अनुभव निश्चित रूप से पेरिस में काम आएगा। मैंने वास्तव में कोटा और ट्रायल्स का फायदा उठाया। महासंघ ने मुझे उम्मीद नहीं खोने के लिए कहा था। मैं जिस दौर से गुजर रही थी, वह उससे अच्छी तरह वाकिफ थे। विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों के लिए टीम में जगह नहीं बनाने के बाद मैं मजबूत वापसी करने के लिए आश्वस्त थी। मैंने केवल अपने खेल पर ध्यान दिया और मैं ट्रायल्स में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को लेकर सकारात्मक थी। मुझे अपने मजबूत पक्ष पता थे और मैं जानती थी कि दबाव में कैसे खेलना है।

इसका मुझे फायदा मिला। मोदगिल ने कहा, टोक्यो ओलंपिक के एक साल बाद मैंने विश्व कप में कुछ पदक जीते और मैं विश्व में नंबर एक खिलाड़ी बनी। मैंने मानसिक रूप से मजबूत बनने पर ध्यान दिया। यह मेरे लिए सकारात्मक कदम था। अब मैं बात करने में नहीं हिचकिचाती जो पेरिस ओलंपिक से पहले सकारात्मक बदलाव है। मैंने समय का उपयोग बेहतर बनने और यह पता लगाने के लिए किया कि मेरे लिए क्या बेहतर है। सभी महासंघों और आइओसी का मानसिक स्वास्थ्य के बारे में समझना महत्वपूर्ण है। एक खिलाड़ी के मानसिक स्वास्थ्य के बारे में समझ रखना महत्वपूर्ण होता है। इसलिए पेरिस ओलंपिक के दौरान मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन शुरू करना सकारात्मक कदम है।